कुम्भ राशि

इनकी राशि स्वामी शनि है जो पापी ग्रह है। इनका रंग काला होता है। कुम्भ राशि का चिन्ह जल से भरा घड़ा है, अतः इस राशि वाले स्त्री-पुरुष की आकृति घड़े के समान गोल होती है। इनका सांसारिक दृष्टिकोण विशाल होता है। बड़े से बड़े जोखिम सहने में भी नहीं हिचकिचाते। ये तीव्र स्मरण शक्ति एवं गम्भीर प्रकृति वाले, महत्वाकांक्षी होते हैं। अनेक विघ्न-बाधाओं के बाद ही जीवन में उच्च पद, धन आदि की प्राप्ति होती है। ऐसे जातक अपने आपको परिस्थितियों के अनुकूल ढाल लेते हैं। इनको अपने सुख से अधिक दूसरों के सुख का ध्यान होता है। ऐसे लोग गुस्सा कम करते हैं और करते हैं तो फिर गाँठ बाँध लेते हैं। आपको कभी यह भ्रम भी रहता है कि आपसे लोग ईर्ष्या करते हैं और अकारण आप उलझ पड़ते हैं। आपका यह स्वभाव जोखिमपूर्ण सिद्ध हो सकता है, इसका ध्यान रखें।

वर्ष के आरम्भ में ३० अप्रैल तक इस राशि पर गुरु का संचरण रहेगा। व्यय में अधिकता, पति-पत्नी सम्बन्धी सुख ठीक रहेगा। बृहस्पति स्थान हानि करते हैं, अतः राशि पर संचरण रहने से तनावग्रस्त रहेंगे। स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव आ सकता है। अत्यधिक परिश्रम करने के बाद भी परिणाम शून्य रहेगा। किसी काम में डालेंगे तो निराशा ही हाथ लगेगी। यह स्थिति नवम्बर के बाद ही ठीक होगी, तभी आप मनचाहे कार्य पूर्ण कर सकेंगे और धन के आने के साधन बनेंगे, आपका आत्मविश्वास बढ़ेंगे, आर्थिक स्थिति सुधरेगी।

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए कुछ अच्छा नहीं रहेगा। शनि के अष्टम भाव में रहने से वात रोग, घुटनों का दर्द, ज्वर आदि का सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य की तरफ पूरा ध्यान दें। समय-समय पर चिकित्सकीय परीक्षण करवाते रहें। लग्न का बृहस्पति स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव करेगा। घर में किसी बड़े-बुजुर्ग के स्वास्थ्य को लेकर कष्ट देगा या दे सकता है।

लम्बे समय से चले आ रहे बँटवारे के विवाद का अन्त होगा। स्थितियाँ आपके पक्ष में बनेंगी। पारिवारिक सुख-शान्ति के लिए वर्ष उत्तम है, आपसी सम्बन्धों में मधुरता आयेगी। स्त्री सुख एवं स्वास्थ्य के लिए वर्ष उत्तम है। आपसी एवं दाम्पत्य सम्बन्ध ठीक रहेंगे। इस वर्ष जनवरी से मई तक अविवाहितों के विवह हो सकते हैं। किसी बड़े आदमी का स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का कारण बनेगा।

व्यापार के लिए यह वर्ष अत्यधिक परिश्रम के बाद सब कुछ प्राप्त करवायेगा। भाग्य आपका साथ देगा। व्यापार की दृष्टि से यह वर्ष महत्वपूर्ण है। पूरा वर्ष राहु की स्थिति एकादश में रहने से सौभाग्य में वृद्धि होगी तथा व्यापार में अति लाभ होगा। जो लोग राजनीति में हैं उन्हें भी समाज में मान-प्रतिष्ठा मिलेगी। जनवरी से अप्रैल तक मंगल के षष्ठ में रहने से शत्रु वर्ग को आप पराजित करने में सफल रहेंगे। सामान्य रूप से यह वर्ष नौकरी-व्यापार के लिए शुभ है। इस वर्ष नये-नये मित्र बनेंगे, सम्बन्धी लोग बुरे समय में आपके लिए सहायक सिद्ध होंगे। इस वर्ष देश से बाहर की यात्रा भी हो सकती है।

इस वर्ष के लिए विशेष उपाय- इस वर्ष के लिए निम्न उपाय करें-

1. प्रत्येक शनिवार को भगवान शिव के मन्दिर में कच्ची लस्सी, बिल्वपत्र, चुटकी भर शक्कर डालकर ‘‘ऊँ नमः शिवाय’’ मन्त्र को पत्र पर अभिषेक करें उसके बाद पीपल को जल अर्पण करें।
2. जन्मदिन पर तथा शनिवार को निर्धन, अन्धे, कुष्ठरोगियों को औषधि, अनाज, कपड़े आदि दें।
3. इस वर्ष राशिपति शनि अष्टम में है, मदिरा, मांस, अण्डे का प्रयोग शनि को और नीच करेगा, अतः इन वस्तुओं का सेवन न करें।